

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 04 मार्च , 2023

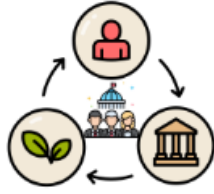
वश्व श्रवण दविस

वश्व श्रवण दविस प्रत्येक वर्ष 3 मार्च को वश्व भर में बहरेपन और श्रवण क्षतको रोकने साथ ही कान की देखभाल एवं श्रवण क्षमता वृद्धि के संदर्भ में जागरूकता बढ़ाने हेतु मनाया जाता है। प्रत्येक वर्ष [वश्व सवासथय संगठन](#) (World Health Organization- WHO) इसकी थीम तय करता है। इस वर्ष की थीम "सभी के कान की देखभाल एवं श्रवण क्षमता वृद्धि(Ear and hearing care for all)" है।

With this theme, the communication objectives are to:



Draw attention of decision makers in governments and civil society groups towards the WHO's recommendations regarding integration of ear and hearing care into PHC.



Encourage governments to integrate primary ear and hearing care into training programmes for health care providers at primary level.



Call attention of primary level health care providers (health workers and physicians) towards the needs of people with hearing loss and ear disease.



Inform people about the importance of ear and hearing care and encourage them to seek services.

//

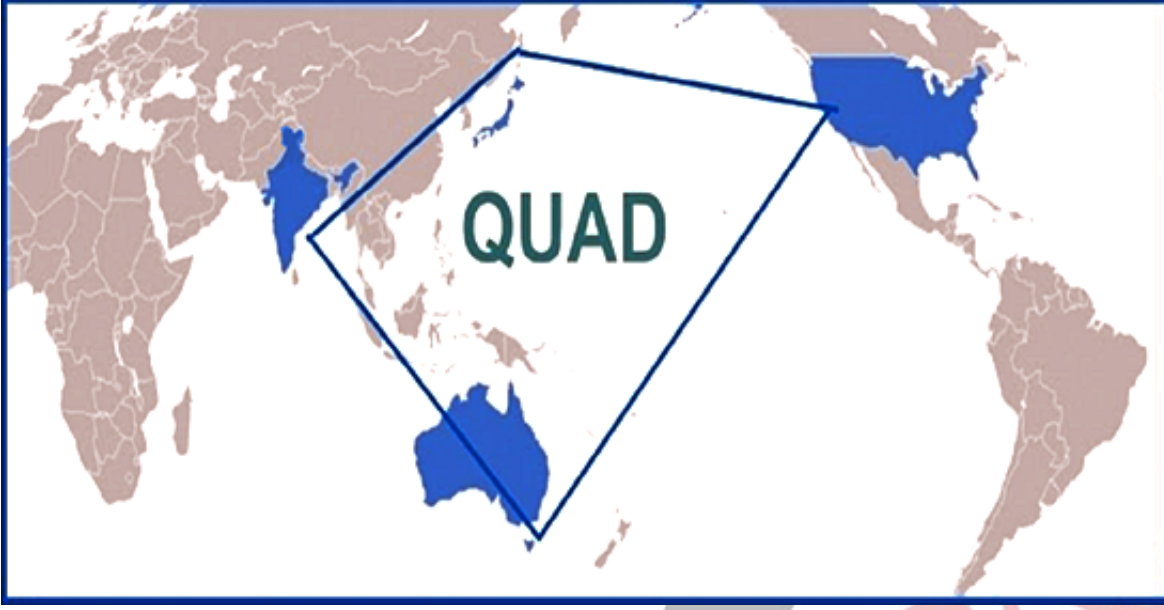
सुनने की सामान्य सीमा 0 dBHL (डेसबिल हयिरगि लेवल) से 20 dBHL तक होती है। बहरापन (Hearing Loss) सुनने में अक्षमता के साथ-साथ सामान्य श्रवण वाले व्यक्तको 20 डीबी या दोनों कानों से बेहतर न सुनने की सीमा के रूप में परभाषति कया गया है। हयिरगि ऑफ हयिरगि उन लोगों को संदर्भति करता है जनिमें बहरापन के हलके से लेकर गंभीर लक्षण देखे जाते हैं। **बधरि लोग सामान्यतः सुन नहीं सकते हैं।**

और पढ़ें... [श्रवण क्षमता पर पहली वश्व रिपोर्ट: WHO](#)

कवाड बैठक

नई दिल्ली में हाल ही में क्वाड की बैठक के दौरान क्वाड देशों के वदिश मंत्रयों ने यूक्रेन में दीर्घकालिक शांतिका आह्वान कया और रूसी आक्रमण के संदर्भ में कषेत्रीय संप्रभुता और अखंडता के सम्मान पर ज़ोर दया। उन्होंने [हदि-प्रशांत](#) कषेत्र में चीन के आक्रामक व्यवहार और संयुक्त राष्ट्र में आतंकवादियों को नामति कये जाने से रोकने के प्रयासों को भी संबोधति कया। आतंकवाद से नपिटने हेतु क्वाड वरकगि ग्रुप बनाने और [हदि](#)

महासागर रमि एसोसिएशन (IORA) के साथ अधिक नकटता से जुड़ने का नरिणय लया गया, जो 23 सदस्यों का एक समूह है जसमें भारत और ऑस्ट्रेलया शामिल हैं। **कवाड** चार लोकतांत्रक देशों का एक समूह है: ये देश हैं भारत, ऑस्ट्रेलया, संयुक्त राज्य अमेरका और जापान। सभी चार राष्ट्र लोकतांत्रक राष्ट्र होने के साथ-साथ अबाधत समुद्री व्यापार और सुरक्षा हत साझा करते हैं। इसका लक्ष्य "मुक्त, खुला और समृद्ध" हद-प्रशांत कषेत्र सुनश्चत करना तथा उसको बढ़ावा देना है। जापानी प्रधानमंत्री शजो आबे ने पहली बार वर्ष 2007 में क्वाड का प्रस्ताव रखा था। यह "चतुरभुज" गठबंधन वर्ष 2017 में भारत, ऑस्ट्रेलया, संयुक्त राज्य अमेरका और जापान द्वारा बनाया गया था। अगले क्वाड लीडर्स समटि की मेज़बानी वर्ष 2023 में ऑस्ट्रेलया द्वारा की जाएगी।



और पढ़ें... [क्वाड से संबंधत मुद्दे और अवसर, रूस-यूक्रेन संघर्ष](#)

हुमायूँ और अन्य महान मुगल

बाबर के बेटे और दूसरे मुगल बादशाह हुमायूँ (1530-1540, 1555-1566) को दलिली में उन्हें समरपत मकबरे ([हुमायूँ का मकबरा](#)) हेतु सबसे ज़यादा जाना जाता है। वह छह महान मुगलों (बाबर, हुमायूँ, अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ और औरंगज़ेब) में से एक है। हुमायूँ को मुख्य रूप से राजनीतिक और सैन्य वफिलता के रूप में याद कया जाता है क्योंकि उसने दलिली में अपने प्रतदिवंदवी, अफगान शेर शाह (जसि बाबर ने भारत में पराजति कया था) को हराया था और उसे ईरान में शरण लेनी पड़ी बाद में अपने सहिसन को पुनः प्राप्त करने हेतु उसे अफगानस्तान से लड़ना पड़ा था। बाबर ने राजवंश की स्थापना की, अकबर समावेशी राजा था और जहाँगीर अपने पति एवं पुत्र दोनों की देख-रेख करता था, उसे एक ऐसे सम्राट के रूप में याद कया जाता है जसिका शासनकाल शांति, समृद्ध और कलाओं के उत्कर्ष के संदर्भ में लोकप्रथि था। शाहजहाँ प्रमुख नरिमाणकर्त्ता था जसिने भारत के सबसे प्रसदध स्थल ताजमहल का नरिमाण कया। औरंगज़ेब के अधीन साम्राज्य का वसितार सबसे दूर की सीमाओं तक हुआ।

और पढ़ें... [इंडो-इसलामी वास्तुकला](#)

धारा पहल

संस्कृतमंत्रालय द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव के तत्वावधान में शुरू की गई अनूठी और प्रमुख पहल "धारा: भारतीय ज्ञान प्रणाली का स्रोत (Ode to Indian Knowledge Systems)" को फरवरी 2023 में एक वर्ष पूरा हो गया है। मंत्रालय का भारतीय ज्ञान प्रणाली (The Indian Knowledge Systems-IKS) प्रभाग AICTE, नई दलिली स्थति शिक्षा धारा आयोजनों के लयि प्रमुख नषिपादन भागीदार है। अपनी साल भर की गतविधियों के दौरान इसने जन जागरूकता और हतधारकों की भागीदारी सुनश्चत करने में सफलता प्राप्त की है तथा IKS के कई कार्यक्षेत्रों के प्रचार और पुनरुद्धार के लयि रूपरेखा तैयार करने में सहायक सदिध हुआ है।

आज़ादी का अमृत महोत्सव प्रगतशील भारत के 75 वर्ष और भारतवासियों, उनकी संस्कृत एवं उपलब्धियों के गौरवशाली इतहिस का अभनिंदन और इसका उत्सव मानाने के लयि भारत सरकार की एक पहल है। भारत ने देश भर में व्यक्तियों एवं समुदायों द्वारा चलाए गए कई आंदोलनों के साथ 100 से अधिक वर्षों तक चले एक लंबे संघर्ष के बाद वर्ष 1947 में भारतीय उपमहाद्वीप से वदिशी शासकों को सफलतापूर्वक नषिकासति कर दया।

और पढ़ें... [75वें स्वतंत्रता दविस पर पहल](#)

